



बैदकि घड.ि

बैदकि घड.ि □□

□ आदित्यः 12:00 टार जाय.गाय. लखो हय.छे, यार अर्थ हल 12 प्रकार सूर्य रय.छे:

अंशुमान, आर्यमान, इन्द्र, त्वाश, धातु, पर्जन्य, पूषा, भग, मतिर, वरुण, बभिसवान एवं बसिणु।

□ ब्रह्मा 1:00 टार जाय.गाय. लखो आछे, एर माने हल ब्रह्मा शुधुमात्र एक प्रकार:

एको ब्रह्म द्वत्तियो नास्ति।

□ अश्विनाई लखि हय. 2:00 टाय., यार अर्थ दुई अश्विनी कुमार।

□ त्रिगुणः 3:00 टाय. लखो हय., यार माने तनि धरनरे गुण रय.छे:

सतोगुन, रजोगुन ओ तमोगुन।

□ चतुर्वेदेः 4:00 टाय. लखो हय., यार माने वेदे चार प्रकार:

ऋग्वेदे, यजुर्वेदे, सामवेदे ओ अथर्ववेदे।

□ 5:00 टार स्थाने पञ्चप्राणः लखो हय., यार अर्थ हल पाँच प्रकार प्राणः

आपन, समन, प्राण, उदान ओ व्यान।

□ 6:00 घटिकार स्थाने शब्दसाः लखो आछे, एर अर्थ हल 6 प्रकार रस आछे:

মষ্টিটি, টক, নোনতা, ততো, ততো ও কসাই।

সপ্তর্ষ্য: 7:00 টার জায়গায় লখো হয়ছে, এর মান হে সাতজন ঋষি আছেন:  
কশ্যপ, অত্রি, ভরদ্বাজ, বশিষ্ঠ, গৌতম, জমদগ্নি ও বশিষ্ঠ।

□ 8:00 ঘটিকার স্থানে অষ্ট সর্দিধি: লখো আছে, এর অর্থ হল আট প্রকার  
সর্দিধি:

অণ্মি, মহ্মি, লঘ্মি, গর্মি, প্রপ্তি, প্রাকাম্য, ইশতিব ও বশতিব।

□ নব দ্রব্যনি 9:00 টায় লখো হয়, এর অর্থ হল 9 প্রকারের তহবলি রয়েছে:  
পদ্মা, মহাপদ্ম, নীল, শঙ্খ, মুকুন্দ, নন্দ, মকর, কচ্ছপ, খর্বা।

□ দশদিশা 10:00 টায় লখো হয়, এর মান হে 10টি দিকি নির্দেশনা রয়েছে:  
পূর্ব, পশ্চিম, উত্তর, দক্ষিণ, উত্তর-পূর্ব, দক্ষিণ-পশ্চিম, উত্তর-পশ্চিম,  
দক্ষিণ-পূর্ব, আকাশ, পাতাল।

□ রুদ্র: 11:00 টায় লখো হয়, এর অর্থ হল 11 প্রকার রুদ্র রয়েছে:

কাপালি, পঙ্কিগল, ভীম, বরুপাক্ষ, বলিহোতি, শাস্ত, অজপদ, অহরিবুধ্ণ্য, শম্ভু,  
চন্দ ও ভব।

সনাতন ধর্মেরে সবকিছু অবশ্যই কিছু না কিছু শিক্ষা দয়ে।

